भीड़ प्रबंधन

- हजारों लाखों लोगो की जिंदगी दांव पर लगी रहती है।
- सामान्य जन-जीवन प्रभावित हो जाता है ।
- धार्मिक एवं राजनैतिक भीड़ सांस्कृतिक / राजनीतिक रूप से संवेदनशील होती है ।
- आतंकवादियों, गैर सामाजिक तत्वों के लिए आसान निशाना ।
- विभिन्न हितभागियों की साझेदारी ।
- प्रशासन और आयोजकों के लिए चुनौतीपूर्ण समय।

हादसों का इतिहास: एक नज़र

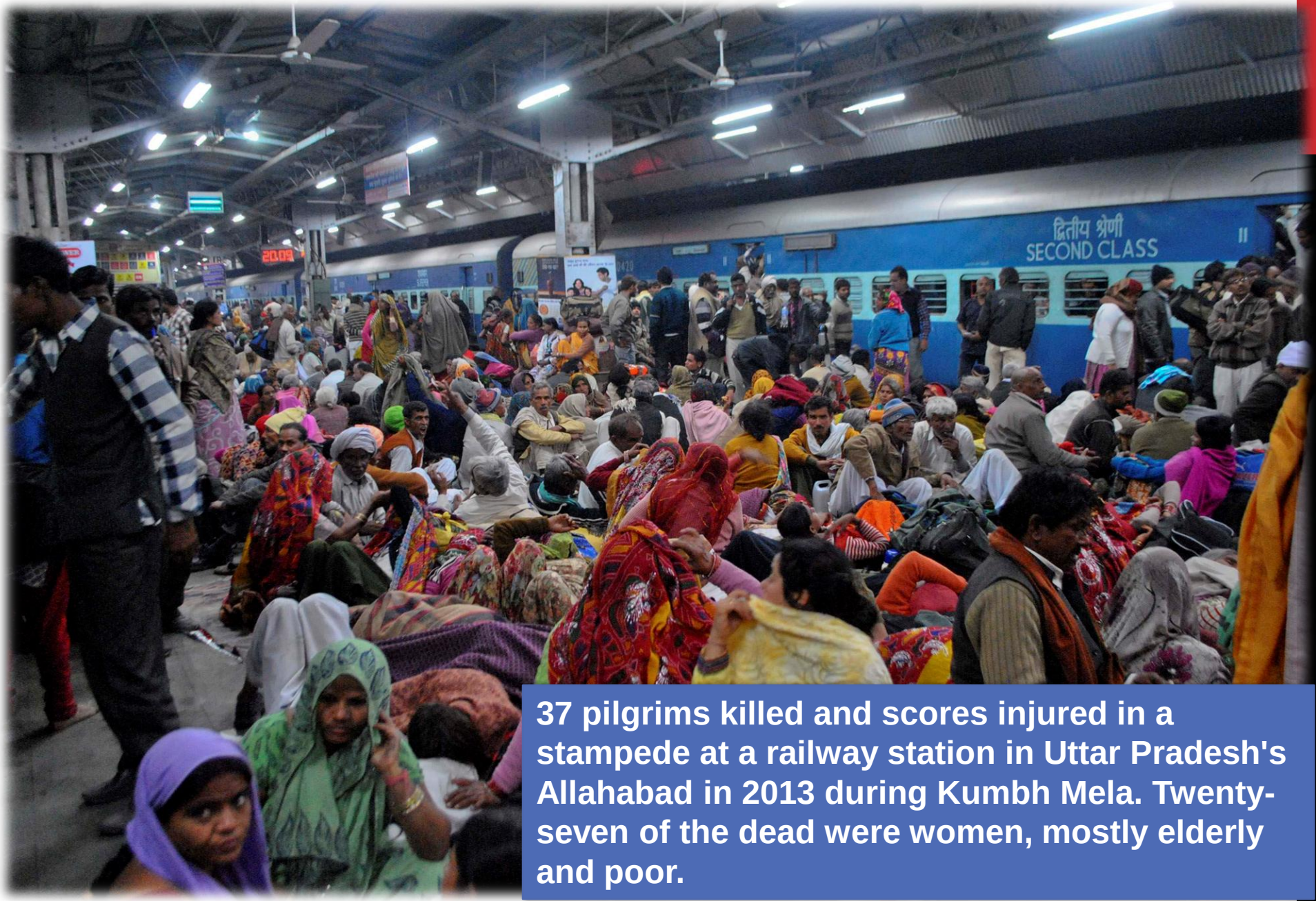

37 pilgrims killed and scores injured in a stampede at a railway station in Uttar Pradesh's Allahabad in 2013 during Kumbh Mela. Twenty-seven of the dead were women, mostly elderly and poor.

कारण :

- अंतिम समय में प्लेटफार्म में बदलाव – उपयुक्त सूचना का समय से प्रसारण नहीं किया गया ।
- मेला एवं रेल प्रशासन के बीच समन्वय का अभाव
- पुलिस द्वारा भीड़ नियंत्रण के लिए लाठी चार्ज
- फुट ब्रिज टूटने की अफवाह से दहशत (Panic)

January 14, 2011: 104 pilgrims died on Makara Jyothi Day at Sabarimala in Kerala.

कारण:

- रात्रि का समय , अंधेरा , अपर्याप्त रौशनी |
- एक जीप और ऑटो में टक्कर |
- जीप ने अपना नियंत्रण खोया : - जीप द्वारा लोगों को कुचलने की अफवाह
- लोग पीछे की तरफ भागे, जहाँ पहले से ही भीड़ मौजूद थी |

2008: 197 dead in temple stampede in Jodhpur

कारण:

- मंदिर के दरवाज़े अचानक खुलने से भीड़ का उस तरफ अचानक भागना |
- संकरा रास्ता |
- बम ब्लास्ट की अफवाह |
- आने जाने का एक ही संकरा मार्ग | कोई आपातकालीन निकास नहीं |

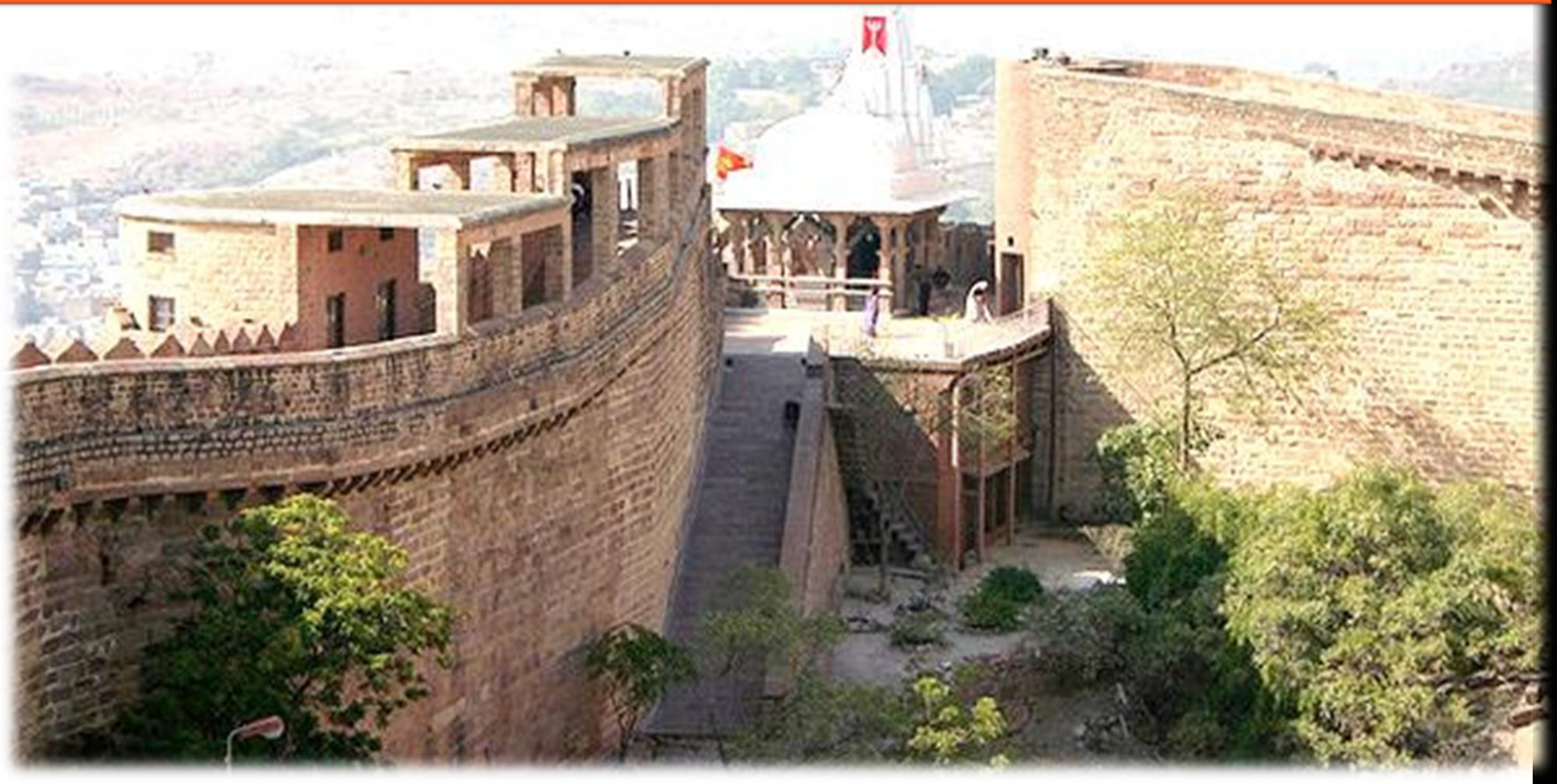

January 26, 2014
Mandher Devi Temple, near Wai, Maharashtra - 350 people died
Reason - rush after some pilgrims slipped

Ratangarh temple in Datia district in Madhya Pradesh on October 13, 2013.

कारण :

- ब्रिज टूटने की अफवाह से दहशत (Panic)
- ब्रिज पर वाहन (ट्रेक्टर की रेलिंग से टक्कर)
- कुछ असामाजिक तत्वों ने अफवाह फैलाई ताकि पंक्ति टूट जाये

At least 18 people were feared killed and several others injured in a stampede at Patna's Adalatganj Ghat during the Chhath pooja on Monday evening. 2012

कारण :

- ब्रिज टूटने की अफवाह से दहशत (Panic)
- बिजली का तार टूटने की अफवाह |
- आने और जाने का एक ही संकरा रास्ता था |

PATNA STAMPEDE 2014 : 33 KILLED, 40 INJURED DURING DUSSEHRA CELEBRATION

कारण :

- निकास का गेट बंद था
- प्रवेश / निकास का एक ही गेट था ।
- पर्याप्त रोशनी का अभाव ।
- कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा महिलाओं से छेड़-छाड़ |

भगदड़ के अधिकांश कारण

- **अफवाह :** करेंट, ब्रिज टूटने, बम ब्लास्ट की, अनियंत्रित वाहन, गेट टूटने आदि की अफवाह
- **सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली** का न होना
- **अपर्याप्त प्रकाश** या रौशनी
- **आने जाने का एक ही मार्ग** कोई आपातकालीन निकास का न होना
- **संकरा मार्ग**
- **बिना पूर्व सूचना के मार्ग परिवर्तन** या चौकाने वाली घटना

9. सामान्य प्रशासनिक एवं अन्य सुझाव

- नियमित रूप से हेल्प-लाइन नंबर का डिस्प्ले किया जाए ।
- जिन घाटों पर भीड़ ज्यादा होती है, तदनुरूप हितभागियों की तैनाती की जाए तथा वहाँ पर विशेष निगरानी व्यवस्था हो।
- घाटों के विस्तार के आलोक में Watch Towers की संख्या बढ़ायी जाए।
- महिलाओं के लिए Changing Room को आग के खतरों से सुरक्षित बनाया जाए।
- असामाजिक तत्वों से बचाव हेतु मुख्य मार्ग से घाट तक के मार्ग में प्रकाश की समुचित व्यवस्था की जाए, साथ ही सभी मार्ग अवरोध मुक्त – गड्ढा मुक्त किए जायें ।
- मार्ग निर्देश (route map) के विज्ञापनों में पार्किंग स्थल स्पष्ट रूप से इंगित किए जायें ।
- बिजली के तारों का अच्छी तरह से निरीक्षण किया जाना चाहिए ताकि कोई तार खुला न रह जाए और किसी प्रकार की दुर्घटना का कारण बने। प्रत्येक Control Room में एक Electrician की प्रतिनियुक्ति हो।
- Signages को पर्याप्त ऊँचाई पर लगाना चाहिए जिससे उसे देखने में परेशानी नहीं हो ।
- छठ पर्व के दूसरे दिन के प्रातःकालीन अर्घ्य के पश्चात् यदि प्रशासन तंत्र ढीला पड़ जाए तो डूबने सहित अन्य दुर्घटनाओं के होने की संभावना बढ़ जाती है। अतः दूसरे दिन कम से कम दोपहर तक प्रशासनिक तंत्र को सतर्क रहने की ज़रूरत है और घाटों को पूरी तरह से खाली करा लें।
- छठ पर्व के पश्चात घाटों और मार्गों की पूरी तरह सफाई अवश्य की जाए।